

Dr. Kumari Priyanka

Department of History

H.D jain college, ara

Notes for ug semester 2

Topic :-सुमेर सभ्यता के आरंभिक शहरी समाज का स्वरूप का वर्णन करें।

सुमेर सभ्यता (लगभग 3100-2000 ईसा पूर्व) मेसोपोटामिया क्षेत्र की प्रारंभिक नगर सभ्यताओं में से एक थी। इस सभ्यता में विकसित शहरी समाज की कुछ प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित थीं:

1. वर्गीकृत समाज

सुमेरियाई समाज स्पष्ट सामाजिक वर्गों में विभाजित था:

- **शासक वर्ग** - इसमें राजा, कुलीन वर्ग और उच्च पुजारी शामिल थे, जो प्रशासन, धर्म और सैन्य गतिविधियों का संचालन करते थे।
- **पुजारियों का वर्ग** - ये मंदिरों का संचालन करते थे और आर्थिक तथा धार्मिक मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे।
- **व्यापारी और शिल्पकार** - ये समाज की आर्थिक गतिविधियों का संचालन करते थे। इनमें व्यापारियों, कुम्हारों, लुहारों और बुनकरों की महत्वपूर्ण भूमिका थी।
- **कृषक और श्रमिक वर्ग** - अधिकांश लोग कृषि और निर्माण कार्यों में लगे हुए थे। वे ज़मीन पर खेती करते और करों का भुगतान करते थे।
- **दास वर्ग** - युद्धबंदी और ऋणग्रस्त लोग दास के रूप में कार्य करते थे। वे समाज में सबसे निम्न स्थान पर थे।

2. राजनीतिक संगठन

- नगर-राज्यों (City-States) का उदय हुआ, जिनमें उर, उरुक, लगाश, निप्पुर और किश प्रमुख थे।
- प्रत्येक नगर-राज्य का एक शासक (लुगल) होता था, जो सैन्य, प्रशासनिक और धार्मिक कार्यों का प्रमुख होता था।
- नगरों में विशाल मंदिर (ज़िगुरेट) बनाए गए, जो धार्मिक और राजनीतिक केंद्र होते थे।

3. आर्थिक संरचना

- कृषि प्रमुख आर्थिक गतिविधि थी, जिसमें गेहूं, जौ और तिलहन की खेती होती थी।
- व्यापार विकसित था और लौह धातु, लकड़ी और बहुमूल्य पत्थरों का आयात करते थे।
- मुद्रा की बजाय वस्तु विनिमय प्रणाली प्रचलित थी।
- कर व्यवस्था विकसित थी, जिससे शासन की आय सुनिश्चित होती थी।

4. धार्मिक व्यवस्था

- सुमेरियाई समाज बहुदेववादी (Polytheistic) था और प्रत्येक नगर का एक प्रमुख देवता होता था।
- अन (आकाश देवता), एनलिल (हवा और तूफान देवता), एनकी (जल और ज्ञान देवता) तथा इन्नाना (प्रेम और युद्ध की देवी) प्रमुख देवता थे।
- जिगुरेट मंदिर धार्मिक अनुष्ठानों और सामाजिक गतिविधियों के केंद्र थे।

5. शहरी जीवन और संस्कृति

- नगरों की योजना सुव्यवस्थित थी, जिनमें सड़कें, जल निकासी प्रणाली और सुरक्षात्मक दीवारें होती थीं।
- लेखन प्रणाली (क्यूनिफॉर्म लिपि) विकसित हुई, जिससे प्रशासन और व्यापार का लेखा-जोखा रखा जाता था।
- साहित्य, कला और स्थापत्य में महत्वपूर्ण प्रगति हुई।

निष्कर्ष

सुमेर सभ्यता का शहरी समाज एक संगठित और वर्गीकृत संरचना वाला था, जिसमें कृषि, व्यापार, धर्म, प्रशासन और सैन्य संगठन का संतुलन देखा जा सकता है। इस समाज की विशेषताएँ बाद की मेसोपोटामियाई सभ्यताओं के विकास की नींव बनीं।